उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री टी० ए० पाई) : (क) हिन्दुस्तान मशीन टूल्स द्वारा 1974–75 तथा 1975–76 (दिसम्बर, 1975 तक) में बनाई गई घड़ियों की संख्या इस प्रकार है —

	1974–75	1975–76 (दिसम्बर, 1975 के अंत तक)
घड़ी कारखाना I और II बंगलौर	3,49,210	3,10,475
घड़ी कारखाना III श्रीनगर	1,02,006	93,956
	4,51,216	4,04,431

(ख) उस अवधि में निर्यात की गई घड़ियों की संख्या नीचे दी गई है :—

19 4–75	8,768
1975–76 (दिसम्बर, 1975 तक)	7,99b

ये घडियां आस्ट्रेलिया, बंगलादेश, भूटान, कनाडा, पूर्वी अफ्रीका, ईरान, कीनिया, मलेशिया, मक्सिको, फिलीपीन, श्रीलंका, यू ए ई, ब्रिटेन, अमरीका, पश्चिम जर्मनी, न्यूजीलैंड, युगोस्लाविया, नोर्वे, बर्मा, नाइजीरिया, ओमान, जाम्बिया और यूगांडा को निर्यात की गई थी।

Rural Electrification Schemes in Maharashtra

1351. SHRI VASANT SATHE: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) the number of schemes proposed to be taken up by the Rural Electrification Corporation during 1975-76 and 1976-77 in Maharashtra and estimated cost thereof; and

(b) the progress made in the implementation of these schemes?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF ENERGY (PROF. SIDDHESHWAR PRASAD): (a) The Rural Electrification Corporation Ltd., has during 1975-76 so far sanctioned eleven rural electrification schemes of the Maharashtra State Electricity Board for a total loan assistance of Rs 4.97 crores. Sanction of more schemes during the remaining period of 1975-76 and in 1976-77 will depend upon the number of rural electrification sehemes sponsored by the State Electricity Board and approved by the Corporation in accordance with the norms and guidelines prescribed by it.

(b) The schemes are phased for completion over a period ranging upto 5 years and are still not off the ground.

बिहार एवं मध्य प्रदेश में विभिन्न कोयला खानों से कोयला निकालना

1352. **डा० लक्ष्मीनारायण पाण्डेय** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बकुण्डपुर, चिरमिरी, कोरबा तथा विश्रामपुर कोयला खानों से वर्ष 1975 के दौरान कितना कोयला निकाला गया ;

(ख) गत वर्ष की तुलना में यह मात्रा कितनी अधिक है, और

(ग) बिहार और मध्य प्रदेश में (सरकारी क्षेत्र की) विभिन्न कोयला खानों से कितना कोयला निकाला गया ?